सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 273 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 11 नवम्बर, 2024

थोड़ा सा अभ्यास बहुत सारे उपदेशों से बेहतर है।
-महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

टी-20 में थमा भारत का विजय... 7 | झारखंड के चुनावी नतीजे तोड़ेंगे... 3 | भर्ती के नाम में छलावा कर रही... 2

महायुति में मचा बवाल

गठबंधन की एकता पर उठ रहे सवाल

» अजित पवार ने खोला मोर्चा गठबंधन में पड़ी दरार!

» चुनाव बाद फिर चाचा के साथ जा सकते हैं अजित

» खरगे बोले- योगी के मुंह में राम और बगल में छुरी है

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों को लेकर महाराष्ट्र का सियासी पारा इन दिनों चढ़ा हुआ है। चुनावी नारे और नेताओं की सियासी बयानबाजी लगातार जारी है। एक ओर सत्ताधारी गठबंधन महायुति है जो सत्ता में फिर से वापसी की कवायद में लगा हुआ है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी प्रदेश में अपनी सरकार बनाने की जुगत में जुटा है। जितना-जितना चुनाव करीब आता जा रहा है नेताओं के सियासी हमले उतने ही तीखे होते जा रहे हैं।

सीएम योगी व बीजेपी द्वारा बटेंगे तो कटेंगे का नारा बुलंद करने के बाद अब विपक्ष इस नारे पर लगातार पलटवार कर रहा है। लेकिन इस नारे के ही चलते अब भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन में ही खटपट मची हुई है और ऑल इज वेल नजर नहीं आ रहा है। भाजपा के इस नारे का महायुति के सहयोगी और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अजित पवार लगातार विरोध कर रहे हैं। आलम ये हो गया है कि अजित पवार और उनकी पार्टी के नेता अब खुलेआम मंचों से सीएम योगी व बीजेपी के इस नारे पर नाराजगी जता रहे हैं। अजित के इस कड़े रुख के चलते अब चुनाव के पीक पर महायुति में दरार सामने दिखने लगी है। क्योंकि एक ओर जहां भाजपा बटेंगे तो कटेंगे की बात करके हिंदुओं को साधने और मुस्लिमों को टारगेट करने की बात कर रही है। तो वहीं दूसरी ओर एनसीपी की कमान संभाले अजित पवार हैं, जो अपने मुस्लिम वोटरों को नहीं खोना चाहते हैं। अगर चाचा शरद पवार का मुकाबला करना है तो मुस्लिमों को साधना ही पड़ेगा और पुरानी एनसीपी के कोर वोट बैंक को अपने साथ रखना ही पड़ेगा। इसीलिए अजित पवार इस नारे का विरोध कर रहे हैं और सबका साथ-सबका विकास का राग अलाप रहे हैं।

एनसीपी के कोर वोट को साधने की कोशिश

शरद पवार से बगावत कर एनसीपी के नाम-निशान पर कब्जा कर लेने के बाद से ही अजित पवार लगातार यह दावा करते रहे हैं कि उनकी अगुवाई वाली पार्टी ही असली एनसीपी है। अब असली का दावा है तो असली की तरह दिखना भी पड़ेगा। अब चूंकि एनसीपी की इमेज मुस्लिम विरोध की नहीं रही है। जबकि दूसरी ओर अजित पवार के गठबंधन के दोनों सहयोगी मुखर हिंदुत्व की राह पर हैं। ऐसे में खुद अजित के लिए भी जरूरी हो जाता है कि वे अपने दावे को स्थापित करने के लिए इसका मुखर विरोध करें, ताकि मुस्लिम वोटर उनसे न छिटके। लोस चुनाव में अजित की पार्टी एक ही सीट जीत सकी तो उसके पीछे भी यही वजह बताई गई कि एनसीपी के मतदाताओं को उनका पूरी तरह से बीजेपी के रंग में रंग जाना रास नहीं आया।

खरगे ने बोला सीएम योगी पर हमला

महायुति से इतर कांग्रेस और भाजपा के बीच भी चुनावी जंग आए दिन तेज होती जा रही है। एक बार फिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा और सीएम योगी पर जबरदस्त हमाल बोला है। खरगे ने सीएम योगी को कपड़े बदल कर राजनीति करने के लिए कहा। महाराष्ट्र में चुनावी मौसम के बीच आहूत संविधान बचाओ सम्मेलन में बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने तीखे शब्दों में कहा कि कई लोग साधुओं के वेश में रहते हैं और अब राजनेता बन गये हैं। कुछ तो मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंच चुके हैं, उनके सिर पर बाल भी नहीं है। मैं भाजपा से कहूंगा कि या तो आप सफेद कपड़े पहने या फिर अगर आप सन्यासी है तो राजनीति से बाहर निकले। एक तरफ तो आप गेरूए कपड़े पहनते है और दूसरी तरफ कहते हैं कि बटेंगे तो कटेंगे, यह एक सन्यासी की भाषा नहीं हो सकती।

फिर पाला बदल सकते हैं दादा!

अजित को लेकर महायुति व भाजपा में वैसे भी सवाल उठते रहे हैं। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में बीजेपी को हुए नुकसान के लिए भी अजित पवार को गठबंधन में शामिल करना एक प्रमुख वजह बताया गया था। संघ भी लगातार ही अजित के गठबंधन में शामिल होने पर नाराजगी जताता रहा है। ऐसे में अजित पवार भाजपा से इतर जाकर बात कर रहे हैं और बीजेपी के नारे का ही विरोध कर रहे हैं। तो संभावनाएं इसकी भी उठती हैं कि चुनाव परिणाम के बाद अजित पवार के भविष्य पर संकट आ सकता है। संभावना इसकी भी है कि अजित पवार फिर से पलटी मारकर चाचा के पास वापस पहुंच सकते हैं। क्योंकि भाजपा से विरोध करके तो महायुति में अजित के लिए रह पाना संभव नहीं है।

अजित-शरद पवार पानी की तरह : नवाब मलिक

अजित पवार की पार्टी की तरफ से लगातार ऐसे बयान आ रहे हैं जो महायुति में मचमच होने के सबूत देते हैं। एक बार फिर अजित के नेता नवाब मलिक ने कहा कि वोटिंग के नतीजे आने के बाद कौन किसके साथ होगा ये कोई नहीं बता सकता। लोग चाहते हैं कि अजित पवार और शरद पवार एक साथ आएं। नवाब मलिक के इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। तो वहीं ये बयान महायुति में मचे बवाल को भी दर्शाता है। मलिक ने आगे कहा कि अजित पवार और शरद पवार पानी की तरह हैं। पानी एक साथ आता रहता है।

उपचुनाव के प्रचार में नेताओं के बिगड़े बोल

» भाजपा व सपा में एक-दूसरे पर तीखे प्रहार

» योगी ने सपा को बताया अपराधियों का प्रोडक्शन हाउस

» सपा का पलटवार, लगा दें पार्टी पर प्रतिबंध

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपचुनाव सीधे तौर पर सपा-भाजपा के बीच है। यह चुनाव सीएम योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। चुनाव जीतने की रणनीति भी प्रदेश स्तर पर तय की जा रही है।

भाजपा सभी सीटों पर दावा कर रही है, लेकिन पांच से एक भी सीट अधिक हुई तो यह उसकी उपलब्धि मानी जाएगी। सपा उसकी इस उपलब्धि को रोककर जनता के बीच यह संदेश देना चाहती है कि लोकसभा की तरह ही जनता के बीच उसका जलवा कायम है। इस चुनाव परिणाम के आधार पर स्थानीय क्षत्रपों का भविष्य भी तय होगा। उधर वार-पलटवार के बीच समाजवादी पार्टी के संभल से सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने यूपी के सीएम योगी के सपा को अपराधियों का प्रोडक्शन हाउस बताने पर कहा कि योगी महाराज की राजनीतिक पॉलिसी यहां कुंदरकी में आकर क्यों खत्म हो जाती है। सीएम ने बंटोगे तो कटोगे कहकर सपा पर निशाना साधा है।

सपा ने दिया जवाब

रायबरेली में लगे पोस्टर का जवाब सपा ने लखनऊ में दिया है औरलखनऊ में पार्टी हेडक्वार्टर के सामने पोस्टर लगाए गये हैं। इन पोस्टर पर लिखा है कि कटेंगे न बटेंगे। पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) से जुड़ेंगे तो सफलता की उड़ान उड़ेंगे। दूसरे पोस्टर में लिखा है बांटने वाले बांट नहीं पाएंगे काटने की बात करने वाले 2027 में मुंह की खाएंगे। सपा से जुड़ेंगे तो सेफ रहेंगे, नेक रहेंगे। समाजवादी पार्टी ने इन पोस्टरों के जरिए सत्तारूढ़ भाजपा पर पलटवार किया है।

राहुल की रायबेरली में लगे पोस्टर

उत्तर प्रदेश के उप-चुनाव किसी भी राज्य के मुख्य चुनाव के बराबर माना जा रहा है। हालांकि यहां सिर्फ 9 सीटों पर चुनाव है लेकिन लग ऐसा रहा है कि पूरे राज्य में चुनाव हो रहा है। खबर राहुल गांधी के रायबरेली से आ रही है जहां रायबरेली की मुख्य सड़कों पर बटेंगे तो कटेंगे नारे के साथ सीएम योगी तस्वीर चस्पा कर पोस्टर लगाए जा रहे हैं। भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष हर्षित तोमर ने ये पोस्टर लगवाए हैं। इन पोस्टर ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

आजम खान के परिवार से होगी अखिलेश की मुलाकात : फहीम

इसी दौरान समाजवादी पार्टी के विधायक मोहम्मद फहीम ने कहा कि कल अखिलेश यादव कुंदरकी में चुनावी जनसभा करने आ रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि यहां पर हजारों की तादाद में लोग अखिलेश यादव को सुनने के लिए आएंगे सपा विधायक ने बताया कि अखिलेश यादव आज सोमवार को रामपुर में आजम खान के परिवार से मुलाकात करने भी जा सकते हैं.

सत्ता का सहारा लेकर आरएसएस के लोग यहां गुंडागर्दी करते हैं : जियाउर्रहमान बर्क

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि उन्हें या तो यहां के भाजपा प्रत्याशी से सीख लेनी पड़ेगी कि राजनीति कैसे करते हैं या फिर भाजपा प्रत्याशी को उन से सीख लेनी है कि किस तरह की राजनीति करनी है, क्योंकि दोनों का राजनीति तरीका भिन्न है, सीएम योगी ऐसी बातें करते हैं तो फिर संविधान और कानून की जरूरत है क्या है पूरी समाजवादी पार्टी पर प्रतिबंध लगाकर उसे बंद कर दें, यहां गुंडागर्दी सपा के लोग नहीं करते बल्कि सत्ता का सहारा लेकर आरएसएस के लोग यहां गुंडागर्दी करते हैं।

भर्ती के नाम पर छलावा कर रही बीजेपी : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- युवाओं को सरकारी नौकरी न देना भाजपा की चाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा भर्ती नहीं छलावा करती है। जब एक छल पकड़ा जाता है, तो दूसरा धोखा ले आते हैं। उन्होंने कहा कि यूपी पीसीएस और आरओ-एआरओ की परीक्षा में दो शिफ्ट की साजिश को अभ्यर्थी भांप गये हैं, इसीलिए आंदोलनरत हैं।

अखिलेश ने कहा कि समाजवादी उनकी जायज मांग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। सपा अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि ये भाजपा की चाल है कि युवाओं को सरकारी नौकरी न मिले और एक दिन सस्ते में मजदूरों की तरह काम करने पर मजबूर हो जाएं। इससे भाजपाई मुनाफाखोरों की तिजोरी भरती रहे।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा का भविष्य और युवाओं का भविष्य, दो विरोधाभासी बातें हैं। जो भाजपा नौकरी और रोजगार की परिभाषा में फंसाकर युवाओं और उनकी नौकरी के सपने देखने वाले उनके माता-पिता को उलझाए रखती है, उससे कोई भी उम्मीद करना बेकार है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद भाजपा ने दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन 10 लाख भी नौकरियां नहीं दी। नौजवानों को लैपटॉप देने को कहा, वह वादा भी भूल गए। वाईफाई देने का वादा भी उन्हे याद नहीं रहा।

सपा पहुंची चुनाव आयोग, कहा- धर्म विशेष के लोगों को भेजे जा रहे हैं गुंडा एक्ट में नोटिस

सपा ने बीजपी की शिकायत चुनाव आयोग से की है। सपा ने आयोग को लिखे पत्र में कहा है कि मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा अन्य पार्टी के कार्यकर्ताओ को डरा रही है। शिकायती पत्र में सपा ने आरोप लगाया है कि बिलारी के एसडीएम सपा समर्थक मतदाताओं, विशेष रूप से धर्म विशेष के लोगों को मतदान से रोकने के लिए बड़ी संख्या में गुंडा एक्ट की नोटिस भेजकर डरा रहे हैं। पत्र में कहा गया है कि सत्तापक्ष के प्रत्याशी को लाभ पहुंचाने के लिए एसडीएम ऐसा कर रहे हैं। सपा ने आरोपी एसडीएम को निलंबित करने की मांग की है।

महिलाओं के उत्पीड़न को शिवपाल ने बनाया मुद्दा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने रविवार को सीसामऊ विधानसभा सीट के चुनावी दौरे में कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न को मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता केवल झूठे वादे करना जानते हैं। मतदाताओं को वोट डालने से रोका जा रहा है। ऐसे लोगों से डरना नहीं है केवल इनका नाम नोट कर लेना है। जो अधिकारी यह सोच रहे हैं कि वह दो साल में रिटायर हो जाएंगे तो वह भी जान लें कि नौकरी से रिटायर होंगे। घर तो यहीं रहेगा। ग्वालटोली अहीराना चौराहे पर आयोजित सभा में उन्होंने

कहा कि भाजपा के जुमलों को सभी लोग समझ चुके हैं। महिला आरक्षण की बात करने हैं लेकिन विधानसभा की नौ सीटों के उपचुनाव में किसी भी महिला को प्रत्याशी नहीं बनाया है।

इरफान की घायल मां से मिले शिवपाल

शहर आने पर शिवपाल सिंह यादव सबसे पहले इरफान सोलंकी की सड़क हादसे में घायल हुईं मां खुर्शीदा सोलंकी का हाल जानने उनके घर पहुंचे। इसके बाद चुन्नीगंज में डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सपा के प्रदेश सचिव आशीष चौबे ने बताया कि दलित समाज के साथ बैठक में शामिल होकर जवाहर नगर में मालू गुप्ता, चमनगंज पुलिस द्वारा जेल भेजे गए राजेश कठेरिया के घर पहुंचे। कांग्रेस के सुनील वाल्मीकि के निधन पर उनके घर जाकर शोक संवेदना जताई।

हार की हैट्रिक कराएंगे

सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी ने भाजपा प्रत्याशी पर निशाना साधा और कहा कि उनकी पार्टी ने उन्हें फुटबाल बना दिया है। अबकी बार उनकी तीसरी हार होना तय है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सत्र के बाद जनता को साधेंगे नेता

» राजनीतिक दलों ने तैयार किया एजेंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। विधानसभा सत्र की समाप्ति के बाद राजनीतिक दलों की संबंधित क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए नेकां, भाजपा, कांग्रेस ने शेड्यूल तैयार कर लिए हैं। सत्तापक्ष नेकां का दावा है कि लोगों के बीच जाकर उनके मसलों को हल करने की कोशिश की जाएगी, तो वहीं भाजपा सदस्यता अभियान के साथ विधानसभा क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ाएगी।

कांग्रेस की तथ्य जांच समिति की जांच के साथ अन्य गतिविधियां बढ़ाई जाएंगी। इसके लिए आगामी पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव के लिए भी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

भाजपा के सभी 28 विधायक जम्मू संभाग में पहुंचे

विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद विपक्ष में भाजपा के सभी 28 विधायक जम्मू संभाग में पहुंच गए हैं। शनिवार भी कई विधायकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए गए, यहां उन्होंने पार्टी की मजबूती के लिए संगठन गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर दिया। विधायक युद्धवीर सेठी और अरविंद गुप्ता के सम्मान में समारोह आयोजित किए गए। इसके साथ त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में बड़ी संख्या में लोग व नेता प्रदेशाध्यक्ष तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं से मिलने पहुंच रहे हैं। इससे पहले सभी विधायक विधानसभा सत्र में व्यस्त थे, जिससे लोग उन तक अपनी समस्याओं को लेकर नहीं पहुंच पा रहे थे। प्रदेशाध्यक्ष सत शर्मा का कहना है कि आगामी एक माह में पार्टी का मुख्य ध्यान सदस्यता अभियान पर रहेगा। इसमें सभी विधायकों और अन्य नेताओं को अधिक से अधिक नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ने के लिए कहा गया है। इसके साथ विधायकों को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनने के लिए कहा गया है। पार्टी ने जिन एजेंडों पर वोट हासिल किए हैं, उन्हें पूरा करने की पूरी कोशिश करेगी। मुख्य रूप से जनता से जुड़े सभी जायज मुद्दों का समाधान किया जाएगा।

मुख्य एजेंडा लोगों के बीच पहुंचाएंगे : रतन

नेकां के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता का कहना है कि हमारा मुख्य एजेंडा लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं हल करना है। हम जिला हेडक्वार्टरों पर कार्यकर्ताओं की बैठकें बुला रहे हैं, जिनमें हमारे मंत्री भी मौजूद रहेंगे, ताकि मौके पर उन समस्याओं का समाधान किया जा सके। शेर-ए-कश्मीर भवन जम्मू में आगामी सोमवार को एक कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी व अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। उन्हें जनता से जुड़े मुद्दों से अवगत करवाया जाएगा। इसके बाद विधानसभा क्षेत्रों में ऐसी गतिविधियां चलाई जाएंगी।

बसपा छोड़ सभी पार्टियां आरक्षण विरोधी : मायावती

» बसपा प्रमुख ने झारखंड में भाजपा पर निशाना साधा बोलीं- बसपा ही सही विकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेदिनीनगर (झारखंड)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने झारखंड के पलामू जिले के हुसैनाबाद में एक रैली के दौरान कांग्रेस और बीजेपी पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां आरक्षण के मामले में एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों के अधिकारों को नजरअंदाज कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि इन पार्टियों ने आरक्षण को कमजोर करने की कोशिश की है। गरीब, दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों के हितों को नजरअंदाज किया है। इस दौरान उन्होंने आरक्षण को लेकर अन्य क्षेत्रीय दलों की आलोचना भी की। बसपा प्रमुख ने कर्पूरी मैदान में रैली को संबोधित करते हुए लोगों

से बसपा उम्मीदवार शिव पूजन मेहता को समर्थन देने की अपील की। शिव 2014 में पहली बार बसपा के टिकट पर हुसैनाबाद से चुने गए थे। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि लोग इन जातिवादी पार्टियों से बाहर निकलकर बसपा को समर्थन दें। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री के रूप में मायावती ने अपने कार्यकाल पर प्रकाश डाला। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने सभी समुदायों के विकास के लिए काम किया और गरीबों तथा भूमिहीनों को जमीन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण प्रगति की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बसपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो डॉ. बीआर अंबेडकर और कांशीराम के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपचुनाव में जनता का रुझान कांग्रेस के पक्ष में : पटवारी

» मप्र कांग्रेस चीफ ने झोंकी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के दो विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान किया जाएगा इससे पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियां पूरी ताकत रोक रही है। रविवार को पीसीसी चीफ जीतू पटवारीअलग अंदाज में प्रचार करते नजर आए।

पटवारी ने विजयपुर में बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उपचुनाव में जनता का रुझान कांग्रेस के प्रति दिख रहा है। जीतू पटवारी ने विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में विधानसभा उपचुनाव के

कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा के समर्थन में जनसंपर्क किया और कांग्रेस जनों से मुलाकात की एवं ग्रामीण अंचलों के नागरिकों से चर्चा की। इस दौरन पटवारी बच्चों के साथ बात की और उन्हें चॉकलेट भी दी। पटवारी में इस दौरान कहां की विजयपुर में कांग्रेस के पक्ष में अच्छा माहौल है यहां के नागरिक भी रामनिवास रावत के खिलाफ हैं जिन्होंने जनता को धोखा दिया है।

झारखंड के चुनावी नतीजे तोड़ेंगे नेताओं के घमंड!

चुनावी प्रचार के बीच आईटी का छापा, खोया सियासी आपा

» कांग्रेस व झामूमो का बीजेपी पर जोरदार प्रहार

» भाजपा पर जल-जंगल-जमीन छीनने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। एनडीए व इंडिया गठबंधन के राज्य में दौरे तेज हो गए हैं। दोनों दलों के नेता एक दूसरे पर प्रहार कर रहे हैं। जहां भाजपा व झामूमो एक दूसरे को चुनावी नतीजों में हराने की बात कह रही हैं वहीं कांग्रेस ने कहा हैं झारखंड में लोग अपने वोट से भाजपा व पीएम मोदी के घमंड को चूर कर देंगे।

वहीं बीजेपी कह रही है चुनाव परिणाम बताएंगे कि किसका अहंकार टूटता है। इस बीच राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन की साथी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहाने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि झारखंड में भाजपा सरकार ने 2015 में पावर प्लांट लगाने में अदाणी समूह को फायदा पहुंचाया। कांग्रेस ने कहा कि झारखंड में यह मुकाबला लोगों के लिए काम करने वाली सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुश करने वालों के बीच है। झारखंड विधानसभा की 81 सीटों पर आगामी 13 और 20 नवंबर को मतदान होने हैं। इससे पहले सत्ताधारी गठबंधन के अलावा विपक्षी पार्टियां भी जमकर चुनाव प्रचार कर रही हैं। वहीं प्रचार के बीच आईटी छापे से भी राज्य में सियासी कोहराम मचा हुआ है। इसी क्रम में कांग्रेस नेता राकेश सिन्हा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए भाजपा विपक्षी नेताओं, विपक्षी नेताओं के निजी सचिवों और उनके समर्थकों पर आयकर और ईडी की छापेमारी करवाकर भय का माहौल बनाना चाहती है। उन्हें लगता है कि इससे हम डर जाएंगे।

भाजपा-आरएसएस संविधान को खत्म करना चाहते हैं : राहुल

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सिमडेगा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा भाजपा जल-जंगल और जमीन छीन लेगी। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, आज देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। एक तरफ- इंडिया गठबंधन, दूसरी तरफ- भाजपा और आरएसएस है। जहां इंडिया गठबंधन के लोग संविधान की रक्षा कर रहे हैं, वहीं भाजपा-आरएसएस संविधान को खत्म करना चाहते हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि, संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है। इसमें बिरसा मुंडा जी, अंबेडकर जी, फुले जी और महात्मा गांधी जी की सोच है। ये संविधान देश के आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, गरीबों की रक्षा करता है। इसलिए इंडिया गठबंधन चाहती है कि देश को संविधान के माध्यम से चलाया जाए। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, हम आपको आदिवासी कहते हैं, लेकिन भाजपा आपको वनवासी कहती है। अंग्रेज भी आपको वनवासी कहते थे, तब बिरसा मुंडा जी आपके जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों से लड़े। आज हम भी आपके हक के लिए लड़ रहे हैं। भाजपा आपका जल-जंगल-जमीन छीनना चाहती है, इसलिए वह आपको वनवासी कहती है। आदिवासी का मतलब होता है- देश का पहला मालिक। वहीं वनवासी का मतलब है कि देश में आपका कोई अधिकार नहीं है। लेकिन आप आदिवासी हैं और देश पर सबसे पहला अधिकार आपका है। संविधान में आपको वनवासी शब्द कहीं नहीं मिलेगा। जिन्होंने संविधान बनाया, उन्होंने भी वनवासी के बजाए आदिवासी शब्द का प्रयोग किया। क्योंकि वे कहना चाहते थे कि जल, जंगल, जमीन के असली मालिक आदिवासी हैं। बिरसा मुंडा जी भी इसी जल, जंगल, जमीन के लिए लड़े थे।

भाजपा का लोगों के कल्याण का कोई इरादा नहीं है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आरोप लगाया कि भाजपा का झारखंड में लोगों के कल्याण का कोई इरादा नहीं है और वह राज्य के कोयला और अन्य खनिज संसाधनों को लूटने के लिए सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रही है। झारखंड के मांडू में एक रैली के दौरान खरगे ने आरोपों में कहा, भाजपा झारखंड के 'काले सोने' (कोयला) पर नजर गड़ाए हुए है और इसके खनिज संसाधनों को लूटना चाहती है। उनका इरादा लोगों का कल्याण नहीं है। भाजपा घुसपैठ की बात करती है, लेकिन केंद्र और असम में उसकी सरकारें अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करती? उन्होंने पीएम मोदी पर आरोप लगाते हुए कहा, प्रधानमंत्री झूठों के सरदार हैं। उन्होंने युवाओं को दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन रोजगार कहां है? उनसे सावधान रहें जो सिर्फ लूट में लिप्त रहेंगे। खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य में सत्ता छीनना चाहती है, लेकिन कोई भी हेमंत सोरेन को हटाने की हिम्मत नहीं कर सकता। उन्होंने दावा किया कि सोरेन झारखंड के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

बीजेपी सरकार नहीं बना पाती है तो वह विधायकों को खरीद लेती है : तेजस्वी

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने चतरा में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने विपक्षी दल भाजपा पर आरोप लगाया कि जब बीजेपी सरकार नहीं बना पाती है तो वह विधायकों को खरीद लेती है। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में सत्ता पाने के लिए मुख्यमंत्री को ही ले लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी भारत के लोकतंत्र और संविधान को नष्ट करना चाहती है।

आयकर विभाग की छापेमारी पर घिरी मोदी सरकार

चुनाव में पिछड़ रही भाजपा आयकर और ईडी का सहारा लेकर चुनाव में आगे बढ़ना चाहती है। राज्य की जनता ने पहले भी भाजपा को सत्ता से बेदखल किया है और इस विधानसभा चुनाव में भी उसे पूरी तरह से नकार देगी। आयकर विभाग की छापेमारी पर जेएमएम नेता मनोज पांडे ने कहा कि यह किसके इशारे पर हो रहा है? इसके पीछे क्या मकसद है? लोग बीजेपी की रैलियों में नहीं आ रहे हैं और इससे उनमें निराशा है। छापेमारी पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। जैसे हम अपना काम कर रहे हैं और प्रचार कर रहे हैं, वैसे ही वे भी अपना काम कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पहले झारखंड की जनता से माफी मांगनी चाहिए थी। सभी बड़ी फैक्ट्रियां और बांध बने और लोगों को विस्थापित किया गया, उन्हें आज तक न्याय नहीं मिला। उन्हें उन लोगों से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि यह मोदी जी का नया भारत है, आप कितने भी बड़े पद पर क्यों न हों, अगर आपके खिलाफ कोई सबूत है, तो एजेंसियां कार्रवाई करती हैं और यह चुनाव का समय है, इसलिए सभी एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। चुनाव में किसी भी हालत में पैसे का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और जहां भी एजेंसियों को सबूत मिलते हैं, वह कार्रवाई करती हैं।

झारखंड में चुनाव जनता की सरकार और पीएम को खुश करने वालों के बीच : जयराम

एक्स पर पोस्ट में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा,वर्ष 2015 के जून महीने में मोदानी ग्रुप ने झारखंड में गोड्डा जिले के दस गांवों में कोयला आधारित बिजली संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की थी। झारखंड में तत्कालीन भाजपा राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग से, स्थानीय किसानों से 1,255 एकड़ तक भूमि का अधिग्रहण किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान बल प्रयोग और डराने-धमकाने की कई रिपोर्ट्स आईं। उन्होंने कहा, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री की सरकार ने इस प्रोजेक्ट में प्रधानमंत्री के पसंदीदा टेम्पो-वाले की मदद करने का हर संभव प्रयास किया- जल्दबाजी में मंजूरी देने से लेकर बिजली संयंत्र को एसईजेड घोषित करने तक। हाल ही में, बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन होने के बाद - जो पहले एक विवादास्पद समझौते के माध्यम से इस संयंत्र से बिजली खरीद रहा था- केंद्र सरकार ने तुरंत मोदानी ग्रुप को यहां की बिजली भारत में ही बेचने की अनुमति दे दी। जयराम रमेश ने कहा, इस बीच किसानों से जबरन जमीन अधिग्रहीत किए जाने के वर्षों बाद भी उन्हें मुआवजे के पूरे भुगतान का इंतजार है। झारखंड में हो रहा विधानसभा चुनाव ऐसी सरकार के बीच का मुकाबला है, जहां एक लोगों के लिए काम करती है और दूसरी प्रधानमंत्री और उनके मित्रों को खुश करने के लिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महंगाई को मुद्दा क्यों नहीं बनाते लोग!

त्योहार की वजह से भी आम लोगों को महंगाई से कोई राहत नहीं मिली। खास तौर से उत्तरी राज्यों में महंगाई की वजह से खाने-पीने की खाद्य वस्तुओं व सब्जियों ,फलों के दाम आसमान छू रहे हैं। लोग सरकार से गुहार लगा रहे हैं पर सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंक रही है। विपक्षी दल भी आम आदमी के पक्ष में दिख रहें हैं पर अभी सरकार में बैठी भाजपा दो राज्यों की चुनावी प्रचार में व्यस्त है।

हरियाणा में चुनाव खतम हो गए हैं। अब सभी सियासी दल झारखंड व महाराष्ट्र में चुनावों की तैयारी में जुट गए हैं। चुनावों के प्रचार के समय सभी सियासी दल महंगाई का मुद्दा जोर-शोर से उठाते हैं। पर चुनाव के बाद सब हवा हो जाता है। त्योहार की वजह से भी आम लोगों को महंगाई से कोई राहत नहीं मिली। खास तौर से उत्तरी राज्यों में महंगाई की वजह से खाने-पीने की खाद्य वस्तुओं व सब्जियों ,फलों के दाम आसमान छू रहे हैं। लोग सरकार से गुहार लगा रहे हैं पर सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंक रही है। विपक्षी दल भी आम आदमी के पक्ष में दिख रहें हैं पर अभी सरकार में बैठी भाजपा दो राज्यों की चुनावी प्रचार में व्यस्त है। खैर सरकारों का क्या वे तो अपना चुनावी लाभ देखती हैं उन्हें आम जनता से क्या। आम जनता को महंगाई के मुद्दे पर उन्हें घेरना जरूर चाहिए। प्याज की कीमतों में उछाल के कारण दिल्ली, मुंबई और लखनऊ समेत देश के कई शहरों में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। थोक बाजारों में प्याज की कीमत 40-60 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

प्याज की कीमतें बढ़नें पर ग्राहकों का क्या मत है, उनका बजट इस मूल्य वृद्धि से कितना प्रभावित हो रहा। प्याज की कीमतों में उछाल से देश के कई शहरों में लोगों की आंखें नम होने लगी है। प्याज ही नहीं टमाटर व अन्य सब्जियां की बढ़े दाम की वजह से थाली से दूर हो रही हैं। दिल्ली के एक बाजार में एक विक्रता ने कहा हम इसे मंडी से खरीदते हैं, इसलिए वहां से हमें जो कीमतें मिलती हैं, वे उस कीमत को प्रभावित करती हैं, जिस पर हम इसे बेचते हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बिक्री में कमी आई है, लेकिन लोग इसे अभी भी खरीद रहे हैं क्योंकि यह यहां के खाने की आदतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोग सरकार से अपील कर रहे हैं कि कम से कम हर दिन खाई जाने वाली सब्जियों की कीमतें कम करें। मुंबई के बाजारों समेत देश के कई राज्यों में प्याज की कीमत में उछाल आया है। मुंबई के एक खरीदार ने कीमतों में उछाल के बारे में बात की और कहा कि प्याज और लहसुन की कीमत कई गुना बढ़ गई है। यह दोगुनी हो गई है। इससे घर का बजट भी प्रभावित हुआ है। एक अन्य खरीदार ने कहा कि सेंसेक्स की तेजी और गिरावट की तरह प्याज की कीमत में भी गिरावट आएगी। खैर बातचीत में बहुत लोग दबी जुबान में सरकार पर भी बरसते नजर आए। लोगों का कहना है चुनावों से पहले लोगों की समस्याओं को दूर करने की बात करने वाली सरकारें चुनाव जीतने के बाद महंगाई के मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल देती हैं। पर लगता है सरकारों को कीमतो पर लगाम लगाने के लिए क्रांति या आंदोलन करना पड़ेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

डाना से स्पेन में हुई तबाही के सबक

भाषा सिंह

क्या आपने डाना का नाम सुना है डाना का जलवायु परिवर्तन से क्या रिश्ता है। धरती के लगातार गर्म होने से बड़े पैमाने पर जो तबाही हो रही है उसका एक परिणाम है डाना। स्पेन ने इसकी विभीषिका को झेला। सैकड़ों जानें गई हैं, संपत्ति का भीषण नुकसान हुआ। भूमध्य सागर का एक सिस्टम है डाना। समुद्र के ऊपर की हवा गर्म है और उत्तर से ठंडी हवा आती है, जिससे चक्रवात सरीखा उठता है और आसपास के इलाके में भीषण तबाही फैलाता है। इसमें चूंकि जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र के ऊपर की हवा जरूरत से ज्यादा गर्म हो जाती है, लिहाजा उत्तर से आने वाली ठंडी हवा पूरे इलाके में बड़ा डिस्टर्बेंस पैदा करती है। स्पेन इसी का शिकार हुआ। डाना की वजह से अचानक इतनी भीषण बारिश और बाढ़ आ गई—जिससे बचना किसी के बस में नहीं था। दुनिया के कई देश इसी तरह की चरम मौसमी घटनाओं को झेल चुके हैं।

स्पेन में भीषण तबाही से जो डरावना मंजर देखने को मिला, उससे पूरा यूरोप सदमे में है। पलक झपकते जिस तरह से 200 से अधिक जानें काल के गाल में समा गईं, उसने जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरे की विभीषिका के बारे में सबको सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले एक दशक से जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया ने भीषण तबाही-कभी बाढ़, कभी सूखे, कभी प्रलयकारी चक्रवाती तूफानों को देखा है। इसके बाद जिस तरह से इराक में बाढ़ आई और सऊदी अरब में बर्फबारी हुई—उसने बता दिया है कि प्राकृतिक तबाही का यह सिलसिला अभी और बढ़ने जा रहा है। स्पेन के वेलेंसिया शहर में तीन घंटे के भीतर एक साल की बारिश हो गई। इसकी कल्पना बुरे से बुरे दुस्वप्न में भी कोई नहीं कर सकता था। विनाश आसमान से बारिश के रूप में आया—जिसने तुरंत ही सारी नदियों-नालों में उफान ला दिया और वे जीवन को बहा ले गए। इस तबाही का सीधा रिश्ता है जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज से। जलवायु परिवर्तन के लिए मनुष्य ही जिम्मेदार है।

हम अपनी करतूतों से लगातार धरती का तापमान गरम कर रहे हैं और इसी के नतीजों के रूप में हमारे सामने स्पेन जैसी विभीषिका आ रही है। डाना कैसे बाकी जलवायु संबंधी गड़बड़ियों से अलग है, इसके बारे में यूनिवर्सिटी ऑफ एलिकांटे में क्लाइमेटोलॉजी के

निदेशक डॉर्ज ऑलिसना का कहना है कि डाना में हवाएं हरिकेन (तूफान-चक्रवात) की तरह तेज नहीं होती, लेकिन तबाही उससे ज्यादा मचा सकती हैं क्योंकि इसमें भयानक तीव्रता के साथ बारिश होती है, जो कुछ ही घंटों में नदी-नाले-तालाब में उबाल ला देती है। फ्लैश फ्लड यानी अचानक आई बाढ़ से किसी को भी संभलने का मौका नहीं मिला। इंफ्रास्ट्रक्चर मिनटों में बैठ जाता है और बचाव के लिए समय नहीं मिलता। डाना का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है और ऐसा जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा है। भूमध्य सागर लगातार गर्म हो रहा है। अगस्त में यहां अब तक का सबसे अधिक तापमान रिकार्ड किया गया था। स्पेन की सरकार ने इसे यूरोप की दूसरी सबसे जानलेवा बाढ़ कहा है। इससे पहले 1967 में पुर्तगाल में भीषण बाढ़ आई थी, जिसमें 500 से अधिक लोग मारे गये थे। स्पेन में 1967 के बाद इस तरह की बाढ़ आई है। कम समय में पूरे साल भर की बारिश ने लोगों को बचाव का मौका ही नहीं दिया। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वेलेंसिया में तो पूरे साल भर की बारिश आधे दिन में ही हो गई। चीवा इलाके में आठ घंटे के अंदर ही 20 इंच की बारिश हुई। जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि तूरिया नदी में बाढ़ आ गई और पानी वेलेंसिया शहर में पूरे वेग के साथ घुस गया। इस बाढ़ में पुल नष्ट हो गए, लोग संपर्क से कट गए और भोजन, पानी या बिजली के बिना रह गए। हाहाकार मच गया। जो जहां था वहीं फंस गया। ऐसा लग रहा था कि शहर से ही नदी गुजर रही हो। सैकड़ों लोगों की जानें गई और संपत्ति तबाह हुई। कारों के तैरने और उसमें लोगों के फंसे होने का नजारा दिल-दहलाने वाला था। फंसे हुए लोग मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन पानी का वेग इतना तेज था कि कोई कुछ नहीं कर पाया। मदद के लिए सेना के जवानों को उतारा गया है।

शांतिकाल में सेना को इतने बड़े ऑपरेशन में लगाना बहुत कम ही होता है। पूरी तरह से तबाह बर्बाद शहर को कीचड़-गंदगी-लाशों से मुक्त करने के लिए स्पेन के इतिहास का सबसे बड़ा पीसटाइम मिलिट्री ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें 7500 सैनिकों को उतारा गया। बाढ़ से प्रभावित इलाकों में हजारों सुरक्षा और आपातकालीन सेवाकर्मी मृतकों की तलाश में मलबे और कीचड़ को हटाने में लगे। दुख की इस घड़ी में लोग एक-दूसरे के साथ खड़े नजर आए। पीड़ितों की मदद करने के लिए स्पेन के नागरिकों ने अभूतपूर्व मानवता का परिचय दिया। वे लाइनों में लग कर वेलेंसिया जाने और राहत सामग्री बांटने, सफाई करने के लिए मुस्तैद दिखाई दिये।

जनभागीदारी से ही सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

प्रो. सुखदेव सिंह

भारत एक विशाल देश है, जिसकी सांस्कृतिक विरासत भी उतनी ही अद्वितीय और विशाल है। हालांकि, यह विरासत प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 (2010 में संशोधित) के तहत कानूनन संरक्षित राष्ट्रीय और राज्य महत्व की कुछ चयनित इमारतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें देश के प्राकृतिक संसाधन, कला, शिल्प और ज्ञान भी शामिल हैं, जो कानूनी रूप से असंरक्षित हैं। देश की प्रगति और शहरीकरण के कारण यह तेजी से नष्ट हो रही है, न कि प्राकृतिक आपदाओं या उम्र बढ़ने के कारण। इसलिए, इस सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के लिए केवल सरकारी प्रयासों के बजाय लोगों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। सर्वप्रथम, 'असुरक्षित' सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए लोगों का सहयोग आवश्यक है क्योंकि वे ही इसके वास्तविक उत्तराधिकारी और मालिक हैं।

दूसरा, लोगों की भागीदारी से सांस्कृतिक विरासत उनके जीवन से जुड़ी रहती है और इसके उपयोग तथा सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में एकीकृत होती है। तीसरा, यह रखरखाव और संरक्षण प्रयासों को लागत प्रभावी, किफायती और टिकाऊ बनती है। चौथा, यह भौगोलिक, सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक मतभेदों को देखते हुए विभिन्न ज्ञान स्रोतों को एकीकृत कर स्थानीय और प्रामाणिक शिल्प कौशल को प्रोत्साहित करता है। भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत, जो ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से अत्यधिक विविध है, को केवल ए.एम.एस.आर. अधिनियम, 1958 के तहत संरक्षित नहीं किया जा सकता। इस अधिनियम के तहत केवल 100 वर्ष या उससे पुरानी इमारतें और स्मारकीय स्थल संरक्षित किए जाते हैं, जिनमें से कई सरकारी स्वामित्व में हैं। हालांकि, संरक्षण की प्रक्रिया महंगी और सीमित है, और प्राकृतिक क्षय के अलावा अन्य दबावों के कारण देश की विशाल सांस्कृतिक धरोहर खतरे में है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों और स्थलों का संरक्षण करता है, जबकि राज्य पुरातत्व विभाग क्षेत्रीय महत्व के स्मारकों की देखभाल करता है। अन्य सांस्कृतिक धरोहरों को पुरावशेष और कला खजाना अधिनियम, 1972 के तहत विनियमित किया जाता है। हालांकि, इन प्रयासों का दायरा सीमित और महंगा है, इस स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है। वर्ष 1972 के यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन के बाद, सांस्कृतिक विरासत की समझ में महत्वपूर्ण बदलाव आया। जिसमें महलों और स्मारकों के साथ-साथ आम घरों, दुकानों और दैनिक उपयोग की इमारतों को भी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा माना जाने लगा। ये संरचनाएं समुदायों की प्रचलित परंपराओं और जीवनशैली को दर्शाती हैं, और शहरी सड़कों, बाजारों तथा चौराहों के रूप में एक 'सांस्कृतिक परिदृश्य' भी बनाती हैं।

सांस्कृतिक विरासत, चाहे वह आलीशान स्मारकों की तरह महत्वपूर्ण हो, फिर भी 'असुरक्षित' है और शहरीकरण, आधुनिकीकरण तथा विकास नीतियों के दबाव में लगातार खतरे में है। इसे संरक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान, मौजूदा नीतियों में संशोधन और स्थानीय सरकारों द्वारा 'विरासत नियमों' का निर्माण आवश्यक है। इसके अलावा, प्राचीन वास्तुकला या सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर इमारतों और स्थलों की सूची तैयार करना और 'विरासत यात्रा' जैसे प्रयासों को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। विरासती इमारतों, स्थानों और कलाकृतियों की सूची 'असुरक्षित' सांस्कृतिक विरासत की पहचान, संरक्षण और वकालत के लिए एक महत्वपूर्ण डेटा संग्रह हो सकती है, जो अनुसंधान और राष्ट्रीय रजिस्टर का आधार बने। इन स्थलों को महत्व के अनुसार वर्गीकृत करना, राज्य और स्थानीय सरकारों द्वारा 'विरासत नियमों' के निर्माण में मददगार होगा। 'हेरिटेज वॉक' योजना से लोग सांस्कृतिक स्थलों से जुड़ सकते हैं, और विरासत पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह स्थानीय शिल्प, होटल और सेवा उद्योगों में रोजगार उत्पन्न करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर सकता है। सांस्कृतिक विरासत की अवधारणा 'जीवित विरासत' पर आधारित है, जिसमें वास्तुकला, शिल्प, सामाजिक संस्कृति और प्राकृतिक पर्यावरण आपस में जुड़े होते हैं। इस दृष्टिकोण में 'अतीत', 'वर्तमान' और 'भविष्य' एक निरंतरता का हिस्सा हैं। सांस्कृतिक विरासत को प्रकृति से अलग करना अव्यावहारिक है, क्योंकि मानव संस्कृति प्रकृति से प्रेरित है और इसे अनुकरण करती है।

'असुरक्षित' सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए 27 जनवरी, 1984 में इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इनटैक) एक गैर-सरकारी स्वतंत्र सदस्य-आधारित संगठन, की स्थापना की गई, जो नागरिकों को शामिल कर इमारतों की सूची बनाने, हेरिटेज वॉक आयोजित करने और विरासत नियमों की वकालत करता है। इनटैक असुरक्षित सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए ज्ञान, प्रौद्योगिकी और कौशल विकसित कर इसे एक मॉडल के रूप में जमीनी स्तर पर लागू कर रहा है। यह अन्य संगठनों और व्यक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बजाय पूरक बनने के लिए काम कर रहा है।

बच्चों को प्रतिक्रिया न दें

बच्चा अच्छा बर्ताव करे तो उसकी तारीफ करिए लेकिन जब वह जिद करे या कोई गलत बात करें तो प्रतिक्रिया न दें। चिल्लाने या डांटने से ज्यादा आपकी चुप्पी उनके लिए सजा का काम कर सकती है। उनके जबर्दस्ती न करें और न ही जिद में बच्चे से अपनी बात मनवाएं। बल्कि जब बच्चा जिद करे तो उसे कोई प्रतिक्रिया न दें। जब उनका गुस्सा कम हो जाए तो शांत तरीके से समझाएं कि क्या गलत है और क्या सही।

बच्चों की गलत आदतों का इन तरीकों से करें सुधार

बच्चों से हर कोई प्यार करता है। बच्चा जब छोटा होता है तो माता-पिता से लेकर परिवार के अन्य सदस्य उसे स्नेह देते हैं। उसकी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। बच्चे की फरमाइश पूरी करने की कोशिश करते हैं। बच्चे से लाड़ प्यार करने में कोई गलत बात नहीं लेकिन कुछ लोग जरूरत से ज्यादा बच्चे को लाड़ प्यार करते हैं। इसे अधिक पैंपर करना या सिर चढ़ा लेना भी कह सकते हैं, खासकर अगर बच्चा इकलौता होता है। ऐसा करने पर बच्चे के बिगड़ने की संभावना बढ़ जाती है। अभिभावक और परिवार के सदस्यों के व्यवहार का असर बच्चे के स्वभाव पर पड़ता है। बच्चा अधिक लाड प्यार में बिगड़ने लगता है और जिद्दी या गुस्सैल बनने लगता है। जिद करना उम्र का तकाजा भी हो सकता है लेकिन जब बच्चा हद से ज्यादा जिद करने लगे तो अभिभावकों को सतर्क हो जाना चाहिए। बच्चे की जिद उम्र के साथ बढ़ने पर भविष्य में उसे समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आपका बच्चा बहुत अधिक जिद करे तो उसके इस बर्ताव को सुधारने के लिए कुछ टिप्स अपना सकते हैं।

बच्चे से न करें बहस

जिद्दी बच्चों की इच्छाशक्ति बहुत मजबूत होती है। उनकी बात न माने जाने पर वह बहस करने लगते हैं। अभिभावक अगर उनकी जिद और बहस का जवाब उसी तरह से देंगे तो बच्चा ज्यादा जिद करेगा। उसकी जिद पूरी न होने पर वह आपकी हर बात को दरकिनार करने लगेगा। इसलिए जिद्दी बच्चे के सामने खुद जिद न करें, बल्कि उनकी बात धैर्य से सुनें। बीच में उन्हें टोंके नहीं। आपका धैर्य उनके गुस्से और जिद को कुछ नरम कर सकता है।

बच्चे को विकल्प दें

बच्चे को विकल्प दें। बच्चे को ऑर्डर न दें, क्योंकि कम उम्र का बच्चा कुछ करने के लिए कहे जाने पर कई सारे सवाल करता है। वहीं अक्सर बच्चे वो काम करते हैं तो उन्हें करने के लिए मना किया जाता है। इसलिए बच्चों को विकल्प दें।

बच्चे के लिए नियम बनाएं

भले ही आप बच्चे से कितना ही लाड प्यार करते हों लेकिन उनके बेहतर व्यवहार के लिए कुछ नियम कायदे तय होने चाहिए। आपको कुछ नियम बनाने की जरूरत है। उन्हें समझाएं कि नियम तोड़ने पर उनके लिए ही नुकसान होगा।

हंसना मना है

गलती होने पर माफी मांगने वाले इंसान को समझदार कहते हैं पर गलती ना होने पर भी माफी मांगने वाले को बॉयफ्रेंड कहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- तुम शादी के बाद अपने लिए नया घर तो नहीं मांगोगी? प्रेमिका (प्रेमी से)- नहीं मैं ऐसी लड़की नहीं हूं। तुम अपनी मां को अलग घर दिला देना।

एक लड़का-लड़की एक दूसरे को बहुत चाहते थे, एक दिन लड़की लड़के से बोली। लड़की- मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आये। लड़का- कुछ भी हो, मैं शादी तुमसे ही करूंगा, आंटी से कहना मुझे भूल जाये।

लड़की- आज से हमारा रिश्ता खत्म ! एक दूसरे को दिए सारे गिफ्ट वापस करते हैं। लड़का - ठीक है। तो फिर मोबाइल रिचार्ज से शुरू करते हैं! लड़की- जानू अब मैं मजाक भी नहीं कर सकती क्या?

कहानी — सियार और जादुई ढोल

एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुढ़क कर जंगल में चला गया और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुढ़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

वृषभ — मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन — लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है।

कर्क — चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

सिंह — शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा।

कन्या — दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

तुला — कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक — चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

धनु — पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा।

मकर — घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे।

कुम्भ — शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

मीन — घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं 17 साल की उम्र में झेला था कास्टिंग काउच : विहान

एंटरटेनमेंट जगत में तमाम एक्ट्रेसेस को कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा है। कई एक्ट्रेसेस ने इस बारे में खुलासा भी किया है। वहीं अब टीवी के एक मेल एक्टर ने खुलासा किया है कि उन्हें कास्टिंग काउच झेलना पड़ा था। इस एक्टर को काम के बदले कॉम्प्रोमाइज करने के लिए कहा गया था। दरअसल टीवी शो गुम है किसी के प्यार में से फेमस हुए एक्टर विहान वर्मा ने बताया है कि उन्हें कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। विहान ने बताया कि उन्होंने 17 साल की उम्र में कास्टिंग काउच झेला था। उन्होंने कहा कि, मुझे अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत में इस दुर्भाग्यपूर्ण एक्सपीरियंस का सामना करना पड़ा था। एक ऑडिशन के दौरान, एक शख्स ने मुझसे पूछा था कि क्या मैं रोल के बदले में अपनी वैल्यूज से समझौता करूंगा। मैं केवल 17 साल का था और डरा हुआ था। मैंने विनम्रता से मना कर दिया और फौरन उनके ऑफिस से बाहर आ गया था। विहान ने आगे कहा, शुरुआत में, मैं सदमे में था और श्योर नहीं था कि इस पर कैसे रिएक्ट करूं। मुंबई में मैं ऐसी घटनाओं से वाकिफ था लेकिन कभी सोचा नहीं था कि मेरे साथ ऐसा होगा। खुद को बचाने के लिए, मैंने अपना कॉन्फिडेंस बढ़ाया और ये भी खुद से श्योर किया कि बाकी लोग इस तरह के प्रप्रोजल के साथ मेरे पास आने की हिम्मत न करें। विहान ने आगे बताया, मैंने फौरन इस घटना को दोस्तों के साथ शेयर किया था। लेकिन अपने माता-पिता को बताने से मैं हिचक रहा था क्योंकि मुझे डर था कि वे मुझे एक्टिंग छोड़ने की सलाह देंगे। जब मैंने आखिरकार उन पर भरोसा किया, तो उन्होंने मेरा सेल्फ कॉन्फिडेंस बढ़ाया और पूरा सपोर्ट भी दिया। उन्होंने आगे कहा, मैं मानता हूं कि यौन उत्पीड़न सिर्फ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि हर जगह मौजूद है। मैं अपनी वैल्यूज समझौता किए बिना सफल होने का मन बना चुका था। मैंने अपने लक्ष्यों पर फोकस करके शुरुआती इमोशनल ब्रेकडाउन पर काबू पा लिया था।

प्रियंका चोपड़ा को अपना रोल मॉडल मानती हैं सामंथा रुथ

लंदन में सामंथा अपनी फिल्म सिटाडेल: हनी बनी के प्रमोशन के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने प्रियंका चोपड़ा की तारीफ भी की। सामंथा ने प्रियंका को लड़कियों के लिए एक बेहतरीन रोल मॉडल बताया है। सामंथा ने कहा, जेनिफर साल्के (प्राइम वीडियो हेड) के पास इस इंटरकनेक्टेड जासूसी दुनिया को बनाने का शानदार विचार था। पहला सीजन अमेरिका में आधारित है, दूसरा इटली, फिर भारत और अगला मेक्सिको में है इसलिए यह शानदार है। हमारे लिए वास्तव में हमारे देश को छोड़े बिना वैश्विक जासूसी ब्रह्मांड से जुड़ने का एक अविश्वसनीय अवसर है। बता दें प्रियंका ने रिचर्ड मैडेन के साथ सिटाडेल के अमेरिकी अध्याय का नेतृत्व किया था।सामंथा रुथ प्रभु ने प्रियंका चोपड़ा के लिए कहा कि वे हम लड़कियों के लिए रोल मॉडल हैं। उन्होंने हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा दी है। ये हमारे लिए बहुत अच्छा अवसर है। साथ ही उन अभिनेत्रियों के साथ आने का भी जिन्होंने सिटाडेल अन्य सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है।

सामंथा ने राज और डीके के साथ काम करने के लिए कहा कि वे उनकी फिल्म निर्माण का अलग ही प्रकार है। इस समय उनके प्रोडक्शन का हिस्सा बनना हर अभिनेता का सपना होता है। वे अभिनेता को सही मायने में अभिनय करने और कुछ नया करने का मौका देते हैं।

राज और डीके ने किया फिल्म का निर्देशन

सिटाडेल: हनी बनी में सामंथा ने वरुण धवन के साथ काम किया है। इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया गया है। फिल्म का निर्देशन राज और डीके की सुपरहिट जोड़ी ने किया है। निर्देशकों की ये जोड़ी शोर इन द सिटी, गो गोवा गॉन, हैप्पी एंडिंग जैसी फिल्में बना चुकी है।

बॉलीवुड | गपशप

अपनी बायोपिक को लेकर उत्साहित हैं नयनतारा

नयनतारा अपनी डॉक्यूमेंट्री लेकर आ रही हैं। यह डॉक्यूमेंट्री 18 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर दिखाई जाएगी। इसमें नयनतारा के जीवन के कई पहलुओं को दिखाया जाएगा, उनके पुराने रिश्ते भी इसमें शामिल होंगे। अभी जो ट्रेलर आया है, उसमें नजर आ रहा है कि नयनतारा और नागार्जुन के बीच जो रिश्ते रहे, वे कैसे थे? उनके पुराने रिश्ते की झलक इसमें नजर आई है। निजी और फिल्मी जीवन से जुड़ी बातें दिखाई जाएंगी नयनतारा की इस डॉक्यूमेंट्री में उनके सफल फिल्मी करियर के बारे में विस्तार से दिखाया जाएगा। साथ ही उनके परिवार और शादी-शुदा जीवन से जुड़ी बातें भी इसमें शामिल होंगी। उनके साथ काम करने वाले लोग नयनतारा के बारे में क्या सोचते हैं, इस पर उन लोगों के विचार भी दिखाए जाएंगे।

सिर्फ फिल्मों और परिवार के बारे में ही नयनतारा की इस डॉक्यूमेंट्री में बात नहीं होगी। उनके और नागार्जुन के रिश्ते पर भी बात की जाएगी। दोनों के रिश्ते कैसे रहे, इस बारे में दर्शकों को पता चलेगा। साथ ही एक अभिनेत्री के रूप में किस तरह से नयनतारा ने संघर्ष किया, यह भी डॉक्यूमेंट्री में साझा किया जाएगा।

नयनतारा की तरह से डॉक्यूमेंट्री है फैंस को उपहार

अपनी डॉक्यूमेंट्री के बारे में नयनतारा कहती हैं, यह डॉक्यूमेंट्री फैंस के लिए मेरी तरफ से एक उपहार है। मैं उन्हें अपनी दुनिया से परिचित कराना चाहती हूं। मैं अपने फैंस का धन्यवाद भी देना चाहती हूं कि वे हर कदम पर मेरे साथ रहे। इस डॉक्यूमेंट्री में नयनतारा के पति विग्नेश भी अपने मन की बातें उनके बारे में साझा करेंगे। डॉक्यूमेंट्री में उनके सरोगेसी से मां बनने के फैसले के बारे में भी बताया जाएगा। इस डॉक्यूमेंट्री के अलावा नयनतारा अगले साल कुछ फिल्मों में भी नजर आएंगी।

अजब-गजब | इन हवेलियों के निर्माण के लिए गांव में लगी थी भट्ठी

इसे कहा जाता है हवेलियों का गांव

बागपत का बामनौली गांव एक ऐसा अनोखा गांव हैं, जहां लोगों की पहचान हवेलियों से होती है। बाहर से गांव में आने वाले लोग हवेलियों के नाम से ही व्यक्ति के घर का पता पूछते हैं। इस गांव में 11 ऐतिहासिक मंदिर भी हैं। यहां की एक और अनोखी बात यह है कि लोग अपने नाम के आगे पशु-पक्षियों के नाम उपनाम के तौर पर पुराने समय से लगाते आ रहे हैं।

जिला मुख्यालय से 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित करीब 14,000 की आबादी वाले बामनौली गांव में 250 साल पहले बड़ी-बड़ी हवेलियां बनाने का काम शुरू हुआ और गांव में 50 से ज्यादा हवेलियां बनवाई गईं। इस वजह से इस गांव को हवेलियों वाला गांव कहा जाता है। गांव की 24 से अधिक हवेलियां पूर्वजों की गाथाओं को दर्शाती हैं। कुछ लोग गांव से हवेलियों को बेचकर शहरों में रहने चले गए हैं। हालांकि, अभी भी तकरीबन 30 परिवार आज भी पूर्वजों की हवेलियों में रहकर उनके इतिहास को संजोए हुए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि उनके पूर्वजों ने हवेलियों का निर्माण करने के लिए ईंट बनाने के लिए गांव में भट्टियां लगाई गई थीं। हवेलियों में आज भी उन भट्टियों से बनी ईंट लगी हैं, जो गांव और हवेलियों के 250 साल पुराने इतिहास को दिखाती हैं। गांव में रघुवीर सिंह, चंदन सिंह, गिरवर सिंह, रामप्रसाद सिंह, तोताराम, तुलसी राम, हरज्ञान सिंह, बालमुकंद बनिया, रामनारायण सिंह, भोपाल सिंह, राधेश्याम, ज्योति स्वरूप ने सबसे पहले हवेलियों का निर्माण कराया था। इनके बाद गांव के अन्य लोगों ने हवेलियों का निर्माण शुरू कराया।

गांव में हैं 11 ऐतिहासिक मंदिर

गांव में 11 ऐतिहासिक मंदिर हैं। ये सभी मंदिर गांव के चारों ओर बनाए गए हैं। गांव के नागेश्वर मंदिर, बाबा सुरजन दास मंदिर, ठाकुर द्वारा मंदिर, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर, बाबा काली सिंह मंदिर, दिगंबर जैन मंदिर, श्वेताम्बर स्थानक, शिव मंदिर, गुरु रविदास मंदिर, वाल्मीकि मंदिर दूर-दूर तक प्रसिद्ध हैं। इनमें से कई मंदिरों में दूर-दराज से श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आते हैं।

ऐसे हैं गांव के लोगों के नाम

गांव के व्यक्ति विरेश का पूरा नाम विरेश भेड़िया है। विरेश ने बताया कि लोगों के उपनाम पशुओं व जानवरों के नाम पर रखने का रिवाज काफी पुरानी है। उनके अनुसार गांव में कई के नाम के पीछे तोता, चिड़िया, गिलहरी, बकरी, बंदर आदि लगे हैं। गांव के सोमपाल को गीदड़ के नाम से पुकारा जाता है। इतना ही नहीं, कोई चिट्ठी आती है तो यही उपनाम लिखे जाते हैं। डाक कर्मी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि उपनाम से ही गांव के लोग जाने जाते हैं। उनकी चिट्ठियों पर उनके नाम के साथ उपनाम लिखे जाते हैं।

रानी ज्योति सिंह के बेटे आजम शाह ने अपने नाम पर बसाया था आजमगढ़

शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित एक गांव है, जिसका नाम 'रानी की सराय।' इस नाम के पीछे की कहानी आजमगढ़ के नामकरण और इसे बसाने वाले राजा से जुड़ी है। जहांगीर के शासनकाल में आजमगढ़ जिले की मेंहनगर तहसील राजा अभिमन्यु सिंह की रियासत थी। अभिमन्यु सिंह ने अपने भतीजे हरिवंश सिंह को अपनी रियासत का वारिस बनाया था।

आजमगढ़ के शिब्ली कॉलेज की हिस्ट्री टीचर ने बताया कि राजा हरिवंश सिंह ने एक मुस्लिम लड़की से विवाह कर इस्लाम कबूल कर लिया था। लेकिन उनकी पहली पत्नी ज्योति सिंह को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। उन्होंने अपने स्वाभिमान से कोई समझौता नहीं किया और नाराज होकर रियासत छोड़कर अपने बच्चों के साथ चली गईं। रानी ने जिस जगह पर अपना नया ठिकाना बनाया, आज उसे 'रानी की सराय' के नाम से जाना जाता है। कुछ समय बाद रानी के बेटे विक्रमजीत सिंह ने भी इस्लाम धर्म कबूल कर लिया। विक्रमजीत सिंह के दो बेटे हुए आजम शाह और अजमत शाह। आजम शाह ने बाद में आजमगढ़ शहर को बसाया। अजमत शाह के नाम पर अजमतगढ़ आज भी आजमगढ़ में मौजूद है। जहांगीर के शासनकाल में अभिमन्यु सिंह एक जांबाज सिपाही थे। उस समय जौनपुर रियासत में विद्रोह का दौर चल रहा था, जिससे जहांगीर की परेशानी बढ़ रही थी। ऐसे में जौनपुर के विद्रोह को खत्म करने का जिम्मा अभिमन्यु सिंह ने उठाया। उन्होंने तीन बार जौनपुर में विद्रोह को खत्म किया। उनके इस कारनामे से खुश होकर जहांगीर ने उन्हें 1500 घुड़सवार, 92 हजार रुपए और 22 बांदाओं का मालिक बना दिया।

जहांगीर द्वारा मिली इस सौगात के बाद अभिमन्यु सिंह ने भी इस्लाम कबूल कर लिया और अपना नाम बदलकर दौलत इब्राहिम खान रख लिया। इस्लाम कबूल करने के बाद इब्राहिम खान ने मेंहनगर को अपनी राजधानी बनाई और यहां पर अपना साम्राज्य स्थापित किया। इब्राहिम खान (अभिमन्यु सिंह) की कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपने भतीजे हरिवंश सिंह को अपना उत्तराधिकारी बनाया।

हवा में उड़ जाएंगे सरमा और योगी : लालू यादव

राजद प्रमुख बोले- इंडिया गठबंधन की होगी जीत

» झारखंड विस चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है : तेजस्वी यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव सिर पर है। इस बीच सभी राजनीतिक दल अपने चुनाव प्रचार को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। इसी कड़ी भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झारखंड सरकार पर जमकर हमला बोला। सीएम सरमा के बयान के एक दिन बाद आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव झारखंड सरकार के बचाव में उतरे। उन्होंने भाजपा नेता के बयान पर पलटवार किया। लालू यादव ने हिमंत बिस्वा सरमा और योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों नेता हवा में उड़ जाएंगे। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा पर पलटवार करते हुए आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा, हवा में उड़ जाएंगे दोनों। यहां महागठबंधन की जीत होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। मोदी जी गए। आए और चले गए। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर वोट के लिए झारखंड में घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं क्योंकि उन्हें उनके वोटों की जरूरत है। घुसपैठिये स्थानीय लड़कियों से शादी कर रहे हैं और उनकी जमीन हड़प रहे हैं। हम घुसपैठिये पिता और आदिवासी मां से जन्मे बच्चे को आदिवासी दर्जा देने के लिए प्रमाणपत्र जारी नहीं करेंगे। वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव नभाजपा पर समाज में नफरत फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार बनेगी, जबकि अगले साल बिहार में राजद नीत गठबंधन सत्ता में आएगा।

चुनाव के माध्यम से कूटे जाएंगे भाजपाई: सोरेन

इससे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा के बंटेंगे तो कटेंगे नारे पर निशाना साधते हुए शनिवार को दावा किया कि राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा। सोरेन ने चुनाव प्रचार के बीच आयकर के छापों की भी आलोचना की। भाजपा के 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे को लेकर एक सवाल के जवाब में सोरेन ने कहा कि यहां ना तो बंटे हैं, ना बटेंगे लेकिन चुनाव के माध्यम से भाजपा के लोग कूटे जरूर जाएंगे।

हम प्रचंड बहुमत की ओर बढ़ रहे : सीएम सरमा

लालू यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, मुझे लगता है कि हम प्रचंड बहुमत की ओर बढ़ रहे हैं। माहौल बहुत अच्छा है, हमारा चुनाव प्रचार बहुत अच्छा रहा। कल पीएम मोदी ने ऐतिहासिक रोड शो किया। हम यहां भारी बहुमत से जीतने वाले हैं।

पीएम बताएं आदिवासियों को धार्मिक पहचान से क्यों वंचित रखा : कांग्रेस

» जयराम रमेश बोले- भाजपा ने सरना कोड लागू करने से किया इनकार

» विकास के वादे पर जवाब दे बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर हमला बोला है। पार्टी ने झारखंड के बारे में सवाल उठाते हुए पूछा कि आदिवासियों को उनकी धार्मिक पहचान से वंचित क्यों रखा और सरना कोड लागू करने से इनकार क्यों किया। जयराम रमेश ने कहा कि मोदी झारखंड में चुनावी रैलियां कर रहे हैं, इसलिए उन्हें एक भी वोट मांगने से पहले तीन सवालों के जवाब देने चाहिए। उन्होंने एक्स पर सवाल किया कि कोरबा-लोहरदगा और चतरा-गया रेलवे लाइन का क्या हुआ।

रमेश ने कहा कि लोहरदगा और चतरा के लोग शिक्षा, रोजगार और व्यापार के अवसरों तक पहुंच में सुधार के लिए वर्षों से बेहतर रेल कनेक्टिविटी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से मोदी सरकार के सत्ता में आने के दस साल बाद और लोहरदगा से लगातार दो बार भाजपा सांसदों के चुने जाने के बाद भी इस संबंध में विशेष प्रगति नहीं हुई है। अक्टूबर 2022 में, रेल मंत्रालय ने चतरा-गया रेल परियोजना को मंजूरी दी लेकिन दो साल बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई है। रमेश ने कहा, कोरबा-गुमला-लोहरदगा लाइन के लिए लोगों को और कितना इंतजार करना होगा? क्या नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री इस आवश्यक परियोजना को पूरा करने के लिए कुछ कर रहे हैं? उन्होंने सवाल किया कि वे इंजीनियरिंग कॉलेज कहां हैं जिनका प्रधानमंत्री ने 2014 में वादा किया था।

नेशनल वेटनर्स एथलेटिक्स में चमके अनिल

» तीन स्वर्ण व एक कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमेठी स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में आठ नवम्बर से 10 नवम्बर तक तीन दिवसीय नेशनल वेटनर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें राजधानी के आलमबाग स्थित सवारी व मालडिब्बा कारखाना में कार्यरत अनिल कुमार ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस चैम्पियनशिप में अलग-अलग स्पर्धा में तीन स्वर्ण पदक सहित व एक कांस्य पदक सहित कुल चार पदक अपने नाम किए। इस प्रतियोगिता की अध्यक्षता अर्जुन अवार्ड तथा पदम् श्री विजेता सुधा सिंह ने किया।

इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों जैसे हरियाणा, पंजाब, गुजरात, हैदराबाद, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, बंगाल आदि राज्यों के खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अमेठी विधायक महाराजी प्रजापति ने डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में विजेताओं को मेडल देकर उनका सम्मान किया। प्रतियोगिता में चार पदक जीतने वाले अनिल कुमार का चयन 20वीं मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप थाइलैंड के लिए हुआ। इससे पहले भी अनिल कुमार कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीत चुके हैं।

कांग्रेस सभी को देती है समान अवसर: सुक्खू

» कुछ कंपनियों के एकाधिकार पर राहुल की चिंताओं का मुख्यमंत्री ने किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा बाजार पर कुछ कंपनियों के एकाधिकार को लेकर जताई गई चिंताओं का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि राहुल की यह चिंता केवल आलोचना नहीं है, बल्कि एक बड़े और आवश्यक परिवर्तन की मांग है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा हमेशा सभी नागरिकों को समान अवसर उपलब्ध करवाने, संसाधनों का समुचित वितरण सुनिश्चित करने और देश की आर्थिक संरचना में जनहित को सर्वोपरि रखने की रही है।

उन्होंने कहा कि राहुल ने इस गंभीर मुद्दे को स्पष्ट और साहसिक रूप में देश के समक्ष रखा है जोकि हर नागरिक की चिंता को उजागर करता है। बाजार में यदि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी तो कीमतें भी नियंत्रित रहेंगी और उपभोक्ताओं को भी बेहतर सेवाएं और उत्पाद मिलेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस संवेदनशील मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देशहित में विचार करना चाहिए। राहुल ने बड़ी कंपनियों की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करते हुए कहा है कि इस प्रकार का एकाधिकार देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। सुक्खू ने कहा कि राहुल देश की आवाज हैं। उनकी चिंताएं हर नागरिक के हित में हैं। केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए देश की जनता के हित में नीति निर्माण करना चाहिए।

देश-विदेश में हो रही हिमाचल सरकार की किरकिरी : जयराम

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश सरकार अगर अच्छा काम करती है तो हम अभिनंदन भी करेंगे, लेकिन अगर ऐसे ही गलत निर्णय लेती रही तो जहां टोकना होगा वहां टोकेंगे भी जरूर। मुझे आज जो दायित्व मिला है उसके निर्वहन के लिए मुझे जनता की आवाज बनकर सरकार के हर उस फैसले का विरोध करना है जो जनता के खिलाफ हो। विपक्ष का काम ही सरकार को गलत करने से रोकना है। सरकार अच्छा करती है तो उसका हम स्वागत भी करेंगे, लेकिन दुर्भाग्य से ये सरकार निर्णय ही गलत ले रही है जिससे इनकी किरकिरी खुद इनके कर्मों से हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुक्खू से जुड़े समोसा विवाद की चर्चा देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी चर्चा शुरू हो गई है, जिससे अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश सरकार की किरकिरी हो रही है।

टी20 में थमा भारत का विजय रथ

» जीत के साथ अफ्रीका ने की सीरीज में बराबरी

» हार के बाद सूर्यकुमार की कप्तानी पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गकेबरहा। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 मैच में भारत को तीन विकेट से हराकर पिछली हार का बदला ले लिया। इससे पहले भारत ने मेजबानों को पहले टी20 मुकाबले में 61 रन से हराया था। रविवार को द. अफ्रीका ने जीत के साथ सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली। बता दें कि, गकेबरहा में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में छह विकेट पर 124 रन बनाए।

स्टब्स ने वरुण की मेहनत पर फेरा पानी

जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने ट्रिस्टन स्टब्स की 47* रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत 19 ओवर में सात विकेट पर 128 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। भारत की नजर अब तीसरे टी20 मुकाबले पर होगी, जो 13 नवंबर को सेंचुरियन में खेला जाएगा। इस शिकस्त के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की जीत का रथ थम गया। टी20 विश्व कप 2024 के बाद टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे से पांच मैचों की टी20 सीरीज में शुभमन गिल की टीम ने 4-1 से जीत हासिल की थी। इसके बाद टीम ने श्रीलंका दौरे पर 3-0 से जीत दर्ज की जबकि सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में टीम ने बांग्लादेश को भी घरेलू सीरीज में 3-0 से मात दी। इस तरह टीम इंडिया का जुलाई से चला आ रहा जीत का सिलसिला रुक गया। इस दौरान भारत ने कुल 11 मुकाबले अपने नाम किए। ट्रिस्टन स्टब्स ने शानदार पारी खेल दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टी20 मुकाबले में भारत के खिलाफ जीत दिलाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्री का की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 86 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे। एक समय ऐसा लग रहा था कि भारत वरुण की अगुआई में गेंदबाजों के दम पर इस मैच को अपने नाम करने में सफल रहेगा, लेकिन अंत में स्टब्स ने आक्र ामक अंदाज टीम को जीत दिलाई। मैच में मिली हार के बाद कप्तान सूर्यकुमार की कप्तानी पर सवाल उठने लगे है।

चक्रवती ने जड़ा पंजा

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 मैच में वरुण चक्रवर्ती ने प्रभावित किया। उन्होंने अपनी घातक गेंदबाजी से मेजबानों की आधी टीम को पवेलियन भेजा। स्टार स्पिनर ने अपने चार ओवर के कोटे में 4.25 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की और पांच विकेट हासिल किए। यह उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पांच विकेट हॉल है। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 17 रन खर्च किए। हालांकि, स्टब्स ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया और 15वें ओवर से मैच दक्षिण अफ्रीका की तरफ मोड़ दिया।

सड़कों पर उतरे प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थी

शांति से प्रदर्शन कर रहे छात्रों की पुलिस से झड़प

» यूपीपीएससी की परीक्षा एक दिन और एक शिफ्ट में ही कराने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी लोक सेवा आयोग की पीसीएस प्री 2024 और आरओ/ एआरओ प्रारंभिक परीक्षा 2023 में नॉर्मलाइजेशन के विरोध में प्रतियोगी अभ्यर्थियों का जबरदस्त विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। हजारों की संख्या में अभ्यार्थी राज्य के विभिन्न जिलों में प्रदर्शन शुरू कर दिया है। लखनऊ के चारबाग में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस से हल्के बल प्रयोग से भगाया। वंही प्रयागराज में लोक सेवा आयोग चौराहे पर इकट्ठा हुए और जमकर नारेबाजी की।

प्रतियोगी छात्र हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। गुस्साए छात्रों ने पुलिस की बैरिकेटिंग तक तोड़ डाली, जिसके बाद पुलिस के साथ उनकी झड़प हो गई। बता दें कि पीएससी प्री 2024 परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को प्रस्तावित है। जबकि आर ओ/एआरओ प्रारंभिक 2023 परीक्षा 22 व 23 दिसंबर को कराई जाएगी। छात्रों के विरोध के चलते इन परीक्षाओं पर भी असर पड़ सकता है। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस और प्रशासन अलर्ट है।

विरोध प्रदर्शन अनिश्चितकालीन

प्रतियोगी छात्र नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं. उनकी मांग है कि एक दिन में एक शिफ्ट में ही पीसीएस प्री 2024 और आर ओ और ए आर ओ प्री 2023 की परीक्षाएं कराई जाए, प्रतियोगी छात्रों ने 2 दिन पहले ही लोक सेवा आयोग पर गांधी वादी तरीके से शांति पूर्ण विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन अनिश्चितकालीन है। जब तक कि आयोग की ओर से उन्हें एक दिन और एक शिफ्ट में ही परीक्षा कराने का आश्वासन नहीं मिल जाता तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

अभ्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सुबह से यूपी लोक सेवा आयोग दफ़्तर के सामने भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। आयोग के चारों तरफ बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस फोर्स लगाई गई है। मौके पर वज्र वाहन, फायर ब्रिगेड और आरएएफ को भी तैनात किया गया है, वहीं छात्रों में भी जबरदस्त गुस्सा देखने को मिल रहा है, छात्र लगातार उग्र होते जा रहे हैं, ऐसे में पुलिस प्रशासन ने भी स्थिति को संभालने की पूरी तैयारी की है. दोनों तरफ से संघर्ष देखने को मिल रहा है।

जस्टिस संजीव खन्ना बने देश के 51वें सीजेआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डीवाई चंद्रचूड़ के सीजेआई से रिटायरमेंट के बाद संजीव खन्ना देश के नए मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। राष्ट्रपति भवन में हुए कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। जस्टिस खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस हैं। उनका कार्यकाल 13 मई 2025 तक यानी लगभग 6 महीने का होगा। वो चुनावी बॉन्ड योजना खत्म करने और अनुच्छेद 370 निरस्त करने जैसे कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे हैं।

जस्टिस संजीव खन्ना ने दिल्ली के मॉडर्न स्कूल और सेंट स्टीफंस कॉलेज से पढ़ाई की। दिल्ली विश्वविद्यालय से लॉ की डिग्री हासिल करने के बाद 1983 में उन्होंने दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट से वकालत की प्रैक्टिस शुरू की. वह 2005 में दिल्ली हाई कोर्ट के जज बने। जनवरी 2019 में वह सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त हुए। उन्हें आपराधिक, सिविल, टैक्स और संवैधानिक कानूनों का बड़ा जानकार माना जाता है।

» राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिलाई शपथ

» डीवाई चंद्रचूड़ हुए रिटायर

पिता रह चुके हैं दिल्ली हाई कोर्ट के जज

जस्टिस संजीव खन्ना एक प्रतिष्ठित परिवार से आते हैं. उनके पिता देव राज खन्ना दिल्ली हाई कोर्ट के जज रह थे, उनके चाचा देश के सबसे सम्मानित जजों में से एक जस्टिस हंस राज खन्ना थे। जस्टिस एच आर खन्ना ने 1976 में इमरजेंसी के दौरान सरकार के खिलाफ जाने वाला ऐतिहासिक फैसला दिया था,वह 5 जजों की बेंच के इकलौते जज थे, जिन्होंने कहा था कि नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार इमरजेंसी में भी बाधित नहीं किया जा सकता।

केजरीवाल को अंतरिम जमानत समेत दिए कई फैसले

जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट में अपने अब तक के कार्यकाल में कई बड़े फैसले किए हैं। उन्होंने दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी। मनीष सिसोदिया को बेल देते समय यह कहा कि पीएमएलए कानून के सख्त प्रावधान किसी को बिना मुकदमा लंबे समय तक जेल में बंद रखने का आधार नहीं हो सकते। लोकसभा चुनाव के दौरान 26 अप्रैल को उन्होंने मतगणना में वीवीपैट और ईवीएम के 100 प्रतिशत मिलान की मांग तुकराई, हालांकि, उन्होंने इसके साथ यह भी आदेश दिया कि चुनाव परिणाम के 7 दिन के भीतर उम्मीदवार दोबारा जांच की मांग कर सकता है। ऐसी स्थिति में माइक्रो कंट्रोलर मेमोरी की जांच इंजीनियर करेंगे। इस प्रक्रिया का खर्च उम्मीदवार उठाएगा। जस्टिस संजीव खन्ना इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक करार देने वाली बेंच के सदस्य रहे। उन्होंने यह फैसला भी दिया कि अगर किसी शादी को जारी रखना असंभव हो, तो सीधे सुप्रीम कोर्ट अपनी विशेष शक्ति का इस्तेमाल कर तलाक का आदेश दे सकता है, उन्होंने चीफ जस्टिस ऑफिस के सूचना अधिकार कानून के दायरे में होने का भी फैसला दिया।

वायनाड के लोगों ने मेरी पूरी राजनीति बदली : राहुल गांधी

» बहन प्रियंका के साथ कांग्रेस सांसद ने किया रोड शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के सुल्तान बाथरी में रोड शो किया। लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इस दौरान अपने संबोधन में राहुल ने कहा कि जब मैं पहली बार भारत जोड़ो यात्रा पर गया तो मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ क्योंकि यह एक राजनीतिक पदयात्रा थी।

पदयात्रा का उद्देश्य राजनीतिक था। लेकिन यात्रा की शुरुआत में ही मैंने देखा कि मैं लोगों को गले लगा रहा था और लोग मुझे चूम रहे थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं कह रहा था, मैं आपसे प्यार करता हूँ। वे कह रहे थे, हम आपसे प्यार करते हैं। आज जब मैं विमान में था तो मुझे एहसास हुआ कि कई सालों से मैंने राजनीति में प्रेम शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। मुझे एहसास हुआ कि वायनाड के लोगों ने मुझे इतना प्यार और स्नेह दिया कि मेरी पूरी राजनीति बदल गई।

दुखद : सिफ्सा के पूर्व कर्मी ने किया सुसाइड

अधिकारियों की प्रताड़ना से तंग आकर उठाया दर्दनाक कदम, वीआरएस लेने के बाद भी बनाते थे काम का दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ से मानवता को शर्मसार करने वाली खबर आ रही है। यहां ऐ सरकारी कर्मचारी ने अधिकारियों के शोषण के चलते अपनी जान दे दी है। कर्मचारी के परिजनों ने अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

दरअसल अलीगंज निवासी पूर्व स्टेनो राजेंद्र कुमार जोशी ने राज्य परिवार नियोजन सेवा नवाचार परियोजना एजेंसी (सिफ्सा) के अधिकारियों की प्रताड़ना से परेशान होकर 11 मई को वीआरएस ले लिया था। जबकि उनका रिटायरमेंट इसी माह था। बार-बार कंपनी की ओर से नोटिस आने पर वह डिप्रेशन में चले गए थे। ये आरोप राजेंद्र के छोटे भाई बृजमोहन जोशी ने सिफ्सा के अधिकारियों पर लगाए हैं। वहीं, रविवार को परिजनों ने देर शाम राजेंद्र के शव का अंतिम संस्कार गुलाला घाट पर कर दिया। दिल्ली निवासी ब्रजमोहन जोशी केंद्र सरकार में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। उन्होंने बताया कि बड़े भाई सिफ्सा में स्टेनो थे। नौकरी के दौरान कंपनी के अधिकारियों से कुछ विवाद हो गया था। इसके बाद से उन्होंने, भाई को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। इस कारण उन्होंने वीआरएस ले लिया था।

बृजमोहन ने बताया कि भाई की नौकरी के दौरान करीब तीन वर्ष पहले कंपनी का कार्यालय हुसैनगंज से चारबाग स्थित एपीसेन रोड पर शिफ्ट हो गया था। शिफ्टिंग के कारण भाई राजेंद्र की रिसीव की गईं 50 में से 30 फाइलें कहीं गायब हो गईं थी।

बार-बार कंपनी की ओर से नोटिस आने पर डिप्रेशन में थे जोशी

सिफ्सा के अधिकारियों ने राजेंद्र को पहला नोटिस छह अक्टूबर को भेजा था। दूसरा नोटिस शनिवार सुबह भेजा गया। नोटिस देखते ही राजेंद्र परेशान हो गए। वे पत्नी निकिता को मंदिर जाने की बात कहकर सैरपुर के छठामील पहुंचे। ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। छोटे भाई ने बताया कि वह कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ थाने में तहरीर देंगे।

अचानक कार्यालय पहुंचीं मेयर, मचा हड़कंप

» कर्मचारी व अधिकारियों की कार्यशैली से हुईं नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेयर सुषमा खर्कवाल सोमवार को अचानक जोन चार कार्यालय पहुंच गई। उनके साथ नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव और बाकी अधिकारी भी मौजूद रहे। मेयर ने इस दौरान सफाई, सड़क, सीवर और स्ट्रीट लाइट की समस्याओं को लेकर अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक।

उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ प्रदेश को उत्तर प्रदेश बनाने की तैयारी कर रही है, दूसरी तरफ आप लोगों की कार्य शैली से जनता की परेशानियां बढ़ती जा रही है। दरअसल, दिवाली के बाद से ही शहर में सफाई और स्ट्रीट लाइट की समस्या बढ़ गई है।

डोर टू डोर कूड़ा उठाने को लेकर शिकायत

पिछले दिनों सदन और कार्यकारिणी में पार्षदों ने सफाई और डोर टू डोर कूड़ा उठाने की समस्या को 4पीएम ने प्राथमिकता से छापा था। इसमें कहा गया था कि जनता की नाराजगी जनप्रतिनिधियों को झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस समस्या का जल्द से जल्द निपटारा होना चाहिए।

4पीएम की खबर का लिया संज्ञान

4पीएम की खबर का मेयर ने लिया संज्ञान जोनल अधिकारी चीफ इंजीनियर को दिया निर्देश बोला 1महीने में समस्या समाधान निकाला जाए।अवैध तरीके से लगी सब्जी मंडी खबर का महापौर ने संज्ञान लिया। सड़क की शिकायत भी हुई तो चीफ इंजीनियर महेश वर्मा को भी बैठक में बुला लिया गया। अभी शहर की कई सड़कें जो निगम निगम के कोटे में आती हैं खराब पड़ी है।

टैक्स वसूली पर दें जोर

टैक्स वसूली में जोन चार पिछले साल नंबर एक पर था लेकिन इस साल उसकी स्थिति खराब हो गई है। टैक्स वसूली के मामले में जोन चार इस बार अपने पिछले लक्ष्य से भी पीछे चल रहा है। इसको लेकर कई वार्ड के टैक्स इंस्पेक्टर को और मेहनत करने की जरूरत है पिछले दिनों नगर निगम के 39 इंस्पेक्टर को नोटिस भी दिया गया था। मेयर ने कहा कि टैक्स वसूली को लेकर लगातार अभियान तेज किया जाए।

सुएज कंपनी को लगाई फटकार

मीटिंग में मौजूद अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान सीवर को लेकर सुएज कंपनी के अधिकारियों को भी फटकार लगी है। बैठक में जलकल के अधिकारी भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि उन लोगों ने ही सुएज को लेकर फीडबैक दिया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।